2008 में सीएसके के साथ अपना सफर शुरू किया और उन्हें पांच आईपीएल खिताब दिलाए। फ्रेंचाइजी और शहर के साथ मेरे सफर ने व्यक्तिगत विकास में अहम भूमिका निभाई है।
- महेन्द्र सिंह धोनी

पूर्व सीएसके कप्तान, आईपीएल 2026 में खेलने की इच्छा जाहिर करते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ **यशस्वी जायसवाल**

इंग्लैंड के खिलाफ ओवल टेस्ट की दूसरी पारी में 118 रनों की पारी खेलकर भारत को एक मजबूत स्थिति में पहुंचाने वाले युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने कहा कि वह अपनी पारी को और बड़ा करना चाहते थे लेकिन अंत में वह अपने प्रदर्शन से संतुष्ट हैं। मैं और बेहतर करना चाहता था, मैं इससे बड़ी पारी खेलना चाहता था। अगर ऐसा होता तो मैं कुछ और भी हासिल कर सकता था। लेकिन ठीक है, मैंने इसके लिए काफी मेहनत की थी और मैं इसका लुत्फ उठा रहा हूं। जब मैं बल्लेबाजी करने जाता हूं तो मेरी कोशिश यही रहती है कि जितना संभव हो सके उतनी देर बल्लेबाजी कर सकूं।

क्या आप जानते हैं ?... भारत और इंग्लैंड बीच जारी टेस्ट सीरीज में अभी तक कुल 18 बार शतकीय साझेदारी हो चुकी है। जो 21वीं सदी में सबसे ज्यादा है।

'घर का पूत कुंवारा डोले, पाड़ोसी का फेरा'

एसएमएस हॉकी ग्राउंड में लगा असुविधाओं का अंबार, खेल विभाग द्वारा अनदेखी का आरोप

जयपुर, 3 अगस्त। एक मारवाड़ी कहावत बहुत प्रचलित है कि " घर का पूत कुंवारा डोले, पाड़ोसी का फेरा"। यह कहावत खेल विभाग के उस फैसले पर खरी उतरती है कि आरसीए अकादमी का नाम बदलकर मेजर ध्यानचंद भवन रखा जा रहा है जोकि राजस्थान क्रिकेट और हॉकी जगत में चर्चा का विषय बना हुआ है। जबकि दूसरी ओर सवाई मानसिंह स्टेडियम में स्थित हॉकी ग्राउंड का हाल बद से बदतर हो रहा है। उस ओर खेल विभाग का ध्यान बिल्कुल भी नहीं जा रहा है।

अगर खेल विभाग चाहता तो जब से हॉकी ग्राउंड पर एस्ट्रोट्फ लगा है तब से आज तक हॉकी ग्राउंड का नाम हॉकी लेजेंड मेजर ध्यानचंद हॉकी ग्राउंड रखा जा सकता था, इसके साथ ही खेल विभाग की ओर से मेजर ध्यानचंद को सच्ची श्रद्धांजलि होती। मगर "वाह री हॉकी तेरी किस्मत" हॉकी ग्राउंड की अनदेखी कर क्रिकेट अकादमी का नाम बदलकर मेजर ध्यानचंद भवन रखा जा रहा है। राजस्थान क्रिकेट संघ एक करोड़ रूपये की राशि सवाई मान सिंह स्टेडियम स्थित हॉकी मैदान में हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की प्रतिमा (स्टेच्यू) व भवन निर्माण हेतु तत्पर है व कमेटी का मानना है कि हॉकी भवन व मेजर ध्यानचंद की प्रतिमा का निर्माण मेजर ध्यानचंद को सच्ची श्रद्धांजलि होगी, साथ ही राज्य हॉकी के युवा खिलाडियों को प्रेरणा भी देगा।

होना तो यह चाहिए कि खेल विभाग खिलाड़ियों को हॉकी के विभिन्न पहलुओं, जैसे शारीरिक, मानसिक और सामरिक, में सुधार करने पर ध्यान केंद्रित करें और छात्रों को समय प्रबंधन, स्वतंत्रता और संगठनात्मक कौशल विकसित करने में मदद करें लेकिन इसका उल्टा ही हो रहा है। सवाई मानसिंह स्टेडियम, जयपुर में एक अंतरराष्ट्रीय टर्फ हॉकी स्टेडियम है। यह स्टेडियम कई अन्य खेल गतिविधियों के साथ-साथ हॉकी के लिए भी एक प्रमुख स्थान है। यहां विश्व स्तरीय अंतरराष्ट्रीय हॉकी ग्राउंड है।

जयपुर में आज से दो दशक पहले एस्ट्रोट्फ हॉकी ग्राउंड पर लगाया गया था ताकि राजस्थान के हॉकी ग्राउंड पर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेल खेला जा सके और राजस्थान के खिलाड़ियों को एस्ट्रोट्फ में खेलने की प्रेक्टिस हो सके साथ ही अपने खेल प्रतिभा को निखारने का अवसर मिल सके। इसका कितना फायदा खिलाड़ियों को मिला है ये सभी जानते हैं। फिर दुबारा इसका रेनोवेशन ऑफ सिंथेटिक हॉकी एस्ट्रोट्फ मैदान का लोकार्पण रविवार, दिनांक 29.5.2022 को किया गया जिसका लोकार्पण का पत्थर लगा हुआ है हॉकी ग्राउंड के गेट के पास। कुल मिलाकर खेल विभाग को हॉकी ग्राउंड और हॉकी खिलाड़ियों की सुविधाओं की ओर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है अन्यथा हॉकी ग्राउंड एवं हॉकी खिलाड़ियों का भविष्य संवर नहीं सकता है।

राज्य सरकार द्वारा खिलाड़ियों को विश्व स्तर पर पहुंचाने का सपना अधूरा ही रह जाएगा

हॉकी ग्राउंड में आने वाले खिलाड़ियों को असुविधाओं का सामना करना पड़ता है। एक तरफ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और खेलमंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ खेल ओर खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहुंचाना चाहते हैं वहीं खेल विभाग हॉकी ग्राउंड पर आने वाले खिलाड़ियों की जान का दुश्मन बना हुआ है। ग्राउंड में खिलाड़ियों के लिए लगे हुए टीन शेड्स के अंदर बिजली के तार और बोर्ड जमीन पर टूटे पड़े हुए हैं जिससे किसी भी खिलाड़ी को करंट लग सकता है। खिलाड़ियों की जान की कोई सिक्योरिटी नहीं है। अगर खिलाड़ियों के साथ कोई दुर्घटना होती है तो कौन जिम्मेदार होगा? इसका कोई जवाबदेही नहीं है। खिलाड़ियों के बैठने की कुर्सियां भी गायब है। हॉकी ग्राउंड पर रखे हुए डस्टबिन में कचरे की जगह बरसात का पानी भरा हुआ है और लोहे की जालियों के पास कचरे का अंबार लगा हुआ है। ताज्जुब कि बात तो यह है कि कीमती पुराने एस्ट्रोट्फ को काटकर कचरे को ढकने के काम में लिया जा रहा है। एस्ट्रोट्फ इस हॉकी ग्राउंड के लिए पुराना हो गया होगा लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि उस एस्ट्रोट्फ को खुले आसमान के नीचे सर्दी, गर्मी ओर बरसात की मार झेलने के लिए खुले में पटक दिया जाए। लोहे की जालियों को भी खुले में रखा गया है जिसमें आधे से ज्यादा लोहे को जंग लग गई है। पुराने गोल पोस्टों की भी हालत भी ऐसी ही है। ऐसा लगता है कि नए नए खेल सामान ग्राउंड पर लगाए जाए और पुराने फेंक दिए जाए। ये सभी पुराने सामान और जगह इस्तेमाल किए जा सकते हैं। लेकिन कोई जिम्मेदार नहीं है। हॉकी ग्राउंड के बाहर कचरे का ढेर लगा हुआ है। उस ओर किसी भी अधिकारी, कर्मचारी, ओर कोच का ध्यान ही नहीं जाता है।

राजस्थान शतरंज संघ में विवाद

19 वर्षों से खिलाड़ियों को टीए/डीए नहीं

जयपुर, 3 अगस्त। राजस्थान शतरंज संघ में लंबे समय से चल रहा प्रशासनिक विवाद अब गहराता जा रहा है। संघ के अध्यक्ष और उनके समर्थक कुछ जिला पदाधिकारी न सिर्फ राज्य संघ संविधान का उल्लंघन कर रहे हैं, बल्कि रजिस्ट्रार सहकारिता विभाग राजस्थान द्वारा दिए गए स्पष्ट आदेशों की अवहेलना करते हुए अवैध चुनाव की घोषणा भी कर चुके हैं।

इस पूरी स्थिति का सबसे दुखद पहलू यह है कि पिछले 19 वर्षों से राज्य के शतरंज खिलाड़ियों को टीए/डीए तक नहीं मिल रहा है। आरसीए बीते 15 वर्षों से "डिफंक्ट" (अकार्यरत) स्थिति में है। इतना ही नहीं, वर्ष 2005 से लेकर 2021 तक आरसीए में ना तो कोई वैध चुनाव कराए गए और ना ही किसी प्रकार की ऑडिट रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। इन्हीं आधारों पर राजस्थान राज्य खेल परिषद ने आरसीए को विवादित खेलों की सूची में डाल रखा है, और अब तक उसे मान्यता नहीं दी है।

आरसीए का वर्तमान विवाद कैसे शुरू हुआ?

यह विवाद उस समय सामने आया जब जयपुर जिला शतरंज संघ ने जयपुर में फरवरी 2024 में नेशनल एमेच्योर प्रतियोगिता का आयोजन किया। उसी दौरान कुछ ज़िलों-जिन पर पहले से ही ज़िला रजिस्ट्रार और खेल कार्यालयों में जांच लंबित थी-ने मिलकर आरसीए के सचिव को निलंबित करने की साज़िश रची। यह निलंबन पत्र अध्यक्ष द्वारा जारी किया गया, जबकि आरसीए के संविधान के अनुसार अध्यक्ष को ऐसा कोई अधिकार नहीं है।

गंभीर वित्तीय और प्रशासनिक आरोप लंबित हैं।

इसके बावजूद पूर्व अध्यक्ष के गुट ने अवैध चुनाव की घोषणा कर दी है, और ज़िला संघों पर इस गैरकानूनी प्रक्रिया में भाग लेने का दबाव बनाया जा रहा है। अध्यक्ष द्वारा अखिल भारतीय शतरंज संघ में अपने पद का दुरुपयोग करते हुए, आरसीए सचिव द्वारा भेजे गए राज्य स्तरीय कार्यक्रमों को भी रोका गया है।

खिलाड़ियों की मांग और भविष्य

राज्यभर के खिलाड़ी और कोच इस स्थिति से अत्यधिक परेशान हैं। टीए/डीए की अनुपलब्धता, टूर्नामेंटों की अनिश्चितता, और चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी ने खेल गतिविधियों को प्रभावित किया है। खिलाड़ियों का कहना है कि जब तक आरसीए में वैध एडहॉक समिति नहीं बनती या सरकार स्वयं हस्तक्षेप नहीं करती, तब तक उनका भविष्य अधर में ही रहेगा। वे राज्य सरकार से यह अपील कर रहे हैं कि आरसीए में तत्काल स्वतंत्र, निष्पक्ष और वैध चुनाव की प्रक्रिया शुरू की जाए, ताकि संघ को दोबारा कार्यरत बनाकर खिलाड़ियों को उनका उचित लाभ दिलाया जा सके।

आयु धोखाधड़ी रोकने के लिए करने जा रहा है स्क्रीनिंग एजेंसी नियुक्त : बीसीसीआई

मुम्बई, 3 अगस्त। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) आयु-धोखाधड़ी रोकने और खिलाड़ियों की योग्यताओं के सत्यापन के लिए एक बाहरी एजेंसी को नियुक्त करने जा रहा है। बीसीसीआई के अनुसार आयु-धोखाधड़ी और खिलाड़ियों की योग्यताओं के सत्यापन के लिए एक बाहरी एजेंसी की नियुक्ति की प्रक्रिया में है। हाल ही में एक आरएफपी जारी किया गया है, जिसमें सत्यापन सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिष्ठित संस्थाओं से बोलियां आमंत्रित की गई हैं। इस आउटसोर्स एजेंसी के अगस्त के अंत तक स्थापित होने की उम्मीद है।

ऐसा माना जा रहा है कि यह मामला खिलाड़ियों द्वारा प्रस्तुत किए गए दस्तावेज या प्रमाण पत्र संदिग्ध पाए से संबंधित है। बीसीसीआई का उद्देश्य इस प्रक्रिया को पेशेवर बनाना और अधिक आयु के खिलाड़ियों के इस प्रणाली में प्रवेश करने की किसी भी संभावना को समाप्त करना है। बीसीसीआई दो-स्तरीय आयु-सत्यापन प्रणाली अपनाता है - पहले में दस्तावेज़ों और जन्म प्रमाण पत्रों की जाँच शामिल है, जबकि दूसरा अस्थि परीक्षण है, जिसे आमतौर पर टीडब्ल्यू3 (टैनर-व्हाइटहाउस 3) पद्धित के रूप में जाना जाता है। ये सत्यापन आमतौर पर लड़कों के लिए अंडर-16 स्तर पर और लड़कियों के लिए अंडर-15 स्तर पर किए जाते हैं।

बीसीसीआई ने बोली लगाने वाली संस्थाओं से अपेक्षित आवश्यकताओं की रूपरेखा तैयार की है। एक हालिया अधिसूचना के अनुसार, बोली लगाने वाली कंपनियों/एजेंसियों के पास प्रतिष्ठित फर्मों को पृष्ठभूमि सत्यापन सेवाएं प्रदान करने का कम से कम तीन वर्ष का अनुभव होना चाहिए। इनमें कॉर्पोरेट कंपनियां शैक्षिणक बोर्ड/संस्थान और भर्ती निकाय शामिल हैं, लेकिन यह इन्हीं तक सीमित नहीं हैं।

इसके अलावा, इच्छुक पक्षों के पास एक राष्ट्रव्यापी नेटवर्क या सभी भारतीय राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में भौतिक और डिजिटल दोनों तरह से सत्यापन करने की क्षमता होनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि बीसीसीआई वर्ष में इसी समय जुलाई और अगस्त के आसपास आयु सत्यापन करता है। इस वर्ष यह प्रक्रिया सितंबर तक भी बढ़ सकती है क्योंकि एजेंसी के इस महीने के अंत तक काम शुरू करने की उम्मीद है। सत्यापन राज्यवार किया जाता है और प्रत्येक राज्य से, प्रत्येक बालक और बालिका वर्ग में, 40-50 खिलाड़ियों को परीक्षण प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है।

ओवल टेस्ट-खराब लाइट से चौथे दिन का खेल जल्दी खत्म

ब्रूक-रूट के शतक, इंग्लैंड जीत से 35 रन दूर

लंदन, 3 अगस्त। हैरी ब्रूक (111) और जो रूट (105) की शानदार शतकीय पारियों के बाद बारिश के खलल के कारण दिन का खेल समाप्त किये जाने के समय इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ पांचवें और अंतिम टेस्ट के चौथे दिन रविवार को दूसरी पारी में छह विकेट पर 339 रन बना लिए हैं और वह जीत से अब 35 रन दूर है।

चायकाल के बाद चार विकेट पर 317 रनों से आगे इंग्लैंड ने खेलना शुरु किया। इसी दौरान जो रूट ने अपना शतक पूरा किया। रूट ने 152 गेंदों में 12 चौकों की मदद से 105 रनों की पारी खेली। उन्हें प्रसिद्ध कृष्णा ने विकेटकीपर ध्रुव जुरेल के हाथों कैच आउट कराया। इसके बाद प्रसिद्ध कृष्णा ने जेकब बेथेल (पांच) को बोल्ड कर मैच को एक बार फिर भारत की ओर मोड दिया। 77वें ओवर में खराब रोशनी के कारण खेल रोका गया। उसके बाद बारिश होने लगी। मैदानी अम्पयरों ने मैदान का निरीक्षण करने के बाद दिन का खेल समाप्त किये जाने की घोषणा की। इंग्लैंड ने स्टंप के समय छह विकेट पर 339 रन बना

लिये है और जेमी स्मिथ नाबाद (दो) और जेमी ओवर्टन बिना खाता खोले क्रीज पर मौजूद है। इंग्लैंड को जहां जीत के लिए 35 रनों की जरूरत है वहीं भारत को चार विकेट की दरकार है। भारत की ओर प्रसिद्ध कृष्णा ने तीन और मोहम्मद सिराज ने दो विकेट लिये। आकाश दीप ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले ब्रूक ने 98 गेंदों पर 111 रन की तेज-तर्रार पारी में 12 चौके और दो छक्के लगाए। आकाशदीप ने चायकाल से पहले ब्रूक को आउट किया लेकिन तब तक वह इंग्लैंड को जीत की राह पर अग्रसर कर चुके थे। इस सेशन में कुल 153 रन बने और सिर्फ एक विकेट गिरा है। इसी से पता चलता है कि यह मैच अब किस स्थिति में है। हल्की बूंदा-बांदी हो रही है। अगर यह जारी रहा तो भारत के तेज गेंदबाजों को आराम करने का और कुछ मैजिक करने के लिए रिफ्रेश होने का समय मिल जाएगा। लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि यह मैच अब भारत की पहुंच से बाहर जा चुका है।

इससे पहले इंग्लैंड ने कल के एक विकेट पर 50 रन से आगे खेलना शुरु किया। आज सुबह के सत्र में बेन डकेट ने तेजी के साथ बल्लेबाजी करते हुए अपना अर्धशतक पूरा किया। इसके बाद प्रसिद्ध कृष्णा ने बेन डकेट को केएल राहुल के हाथों स्लिप में कैच आउट करा दिया। बेन डकेट ने 83 गेंदों में छह चौकों की मदद से 54 रन बनाये। इसके बाद 28वें ओवर में मोहम्मद सिराज ने कप्तान ऑली पोप (27) को पगबाधा आउटकर भारत को तीसरी सफलता दिलाई।

इंग्लैंड ने लंच तक तीन विकेट पर 164 रन बना लिये थे और हैरी ब्रूक (नाबाद 38) और जो रूट (नाबाद 23) क्रीज पर मौजूद थे। पहले सत्र में भारतीय टीम को दो सफलताएं मिली, वहीं इंग्लैंड ने 114 रन भी बनाए हैं। हैरी ब्रूक का कैच अगर ले लिया जाता तो भारत हावी रहता लेकिन सिराज से गलती हो गई है।

कोको गॉफ पर सनसनीखेज जीत से विक्टोरिया म्बोको क्वार्टर फाइनल में

मॉन्ट्रियल (कनाडा), 3 अगस्त। कनाडा की किशोरी विक्टोरिया म्बोको ने नेशनल बैंक ओपन में बड़ा उलटफेर करते हुए शीर्ष वरीयता प्राप्त अमेरिका की कोको गॉफ को हराकर टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है।

शनिवार रात खेले गये मुकाबले में कनाडाई किशोरी म्बोको ने शीर्ष वरीयता प्राप्त कोको गॉफ को सीधे सेटों में 6-1, 6-4 से हराया। विश्व में 85वें स्थान पर काबिज म्बोको ने गॉफ को एक घंटे दो मिनट चले मुकाबले में हराया।

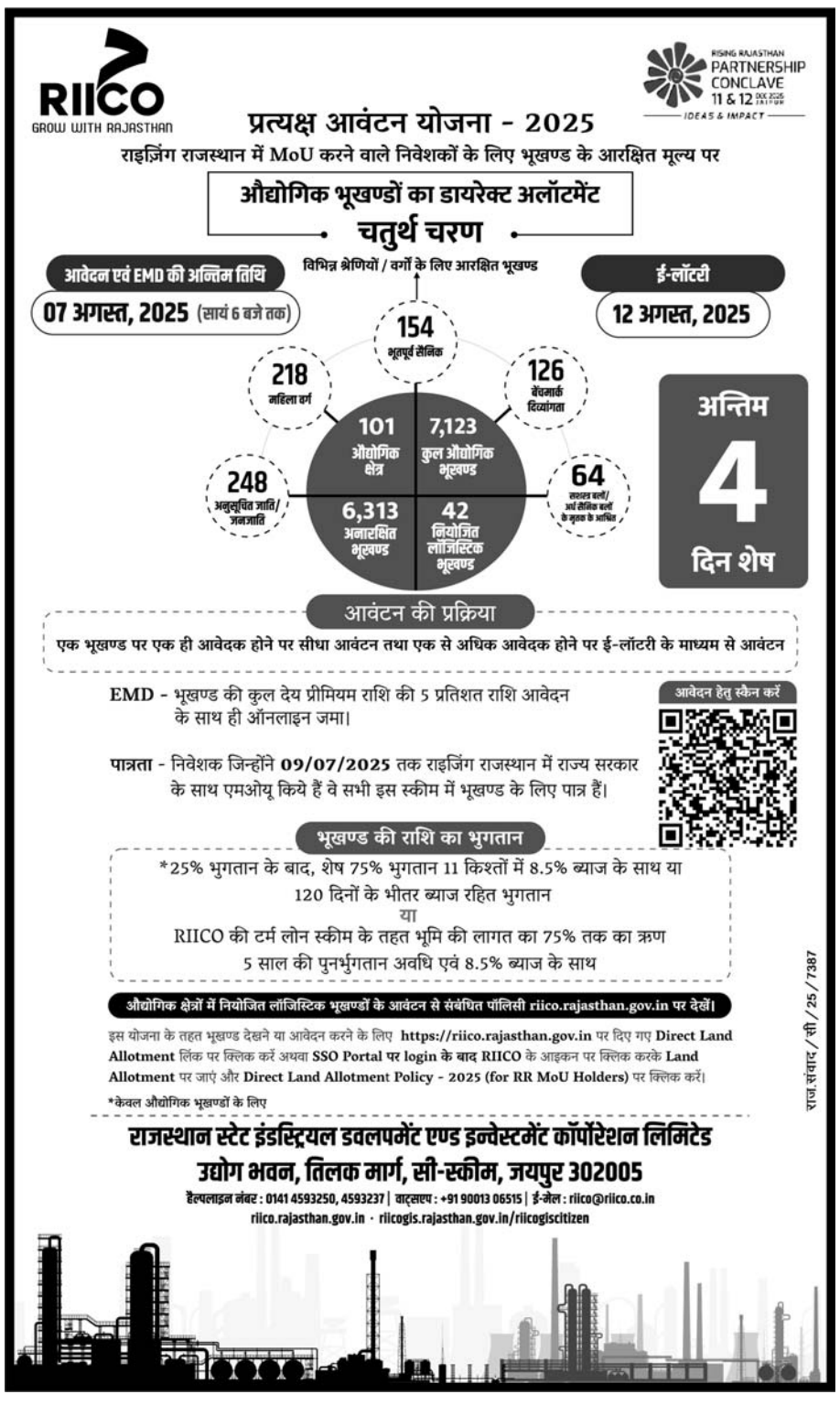

अश्विनी विश्नोई ने बढ़ाया राजस्थान का मान : सीएम

जयपुर, 3 अगस्त। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप में गोल्ड मेडल विजेता भीलवाड़ा निवासी अश्विनी विश्नोई ने मुलाकात की। शर्मा ने दुपट्टा ओढ़ाकर अश्विनी का सम्मान किया तथा उनको इस उपलब्धि के लिए बधाई दी।शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि राज्य सरकार खेल प्रतिभाओं को तलाशने और तराशने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। भीलवाड़ा की बेटी अश्विनी ने कुश्ती में गोल्ड मेडल जीतकर पूरे विश्व में राजस्थान का मान बढ़ाया है। मुख्यमंत्री ने अश्विनी विश्नोई की इस सफलता में मार्गदर्शन एवं सहयोग के लिए उनके पिता मुकेश विश्नोई को भी बधाई दी। उल्लेखनीय है कि अश्विनी विश्नोई ने एथेंस में अंडर 17 वर्ल्ड कुश्ती चैम्पियनशिप के 65 किलो भार वर्ग में गोल्ड मेडल जीता है। इस जीत के साथ ही अश्विनी वर्ल्ड कुश्ती चैम्पियनशिप में गोल्ड मेडल जीतने वाली प्रदेश की प्रथम महिला पहलवान बनी है।

एचसीएल इंडिया स्क्वैश टूर का पहला चरण आज से

मिस्र के यासिन शोहदी और नूर खफागी को मिली शीर्ष वरीयता

जयपुर, 3 अगस्त। स्क्वैश रैकेट फेडरेशन ऑफ इंडिया और एचसीएल के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार से यहां शुरू हो रहे एचसीएल इंडिया स्क्वैश टूर 2025 के पहले चरण में मिस्र के याासिन शोहदी और नूर खफागी को क्रमश: पुरुष और महिला वर्ग में शीर्ष वरीयता दी गई है। भारत की स्टार स्क्वैश प्लेयर जोशना चिनप्पा और निरुपमा दुबे के टूर्नामेंट की शुरुआत से ठीक एक दिन पहले अपना नाम वापस लेने से राजस्थान की छवि सारण को मेन ड्रॉ में जगह मिल गई। स्क्वैश रैकेट फेडरेशन ऑफ इंडिया की उपाध्यक्ष सुरभि मिश्रा ने रविवार को यहां बताया कि सोमवार से शुरू हो रहे मुकाबलों में मिस्र के यासिन शोहदी को शीर्ष वरीयता दी गई है। वहीं जापान के टोमो एंडो को दूसरी, श्रीलंका के रविन्दु लक्सिरी को तीसरी और मलेशिया के डेरिन प्रगासस को चौथी वरीयता मिली है। उन्होंने बताया कि पुरुष वर्ग में टॉप-8 में सूरज कुमार चन्द एकमात्र भारतीय हैं, जिन्हें छठी वरीयता दी गई है। भारत के राहुल बैथा, आर्यवीर दीवान, अयान वजीर अली और दिवाकर सिंह भी चुनौती पेश करेंगे। सुरभि ने बताया कि महिला वर्ग में भी मिस्र की नूर खफागी टॉप सीड हैं। वहीं मिस्र की ही मेन्ना वलीद को दूसरी, जापान की अकारी मिडोरिकावा को तीसरी और मलेशिया की गो झी शुआन को चौथी वरीयता है। उन्होंने बताया कि टॉप-8 में शामिल चार भारतीय खिलाड़ियों तन्वी खन्ना को पांचवीं, अंजली सेमवाल को छठी, शमीना रियाज को सातवीं और जेनिट विधि को 8वीं वरीयता दी गई है। महिला वर्ग के मेन ड्रॉ में भारत की कुल 17 खिलाड़ी हैं, जिनमें सान्वी बतर, पूजा आरती, अराधना कस्तूरी राज, अनिका दुबे, तनिष्का जैन, आराधना पोड़वाल, सान्या बत्स और उन्नित त्रिपाठी आदि शामिल हैं।

सुरभि मिश्रा ने कहा कि 2028 में होने वाले लास एंजिलिस ओलंपिक में स्क्वैश को भी शामिल किया गया है। इसे देखते हुए ही फेडरेशन और एचसीएल इंडिया ने इंडिया स्क्वैश टूर की शुरुआत की है। जयपुर के बाद इंडिया टूर के आगामी चरण मुम्बई, चेन्नई, बेंगलुरु, अहमदाबाद और दिल्ली में खेले जाएंगे। इससे भारतीय खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय कॉम्पिटिशन मिलेगा और ओलंपिक खेलों की तैयारी में मदद मिलेगी।

ज्यादा खेलना बोरियत और ठहराव का कारण बनेगा, आईसीसी को ध्यान देने की जरूरत : गूच

लंदन, 3 अगस्त। भारत और इंग्लैंड के बीच वर्तमान में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जा रही है। जिसे लेकर फैंस में अलग ही दीवानगी दिख रही है। हालांकि, महान बल्लेबाज ग्राहम गूच ने टेस्ट क्रिकेट को लेकर आईसीसी को सजग किया है। वहीं ग्राहम गूच का कहना है कि भारत और इंग्लैंड के बीच चल रही पांच मैच की कड़ी सीरीज दबाव झेल रहे टेस्ट फॉर्मेट के लिए बिल्कुल सही प्रेरणा है लेकिन उन्हें डर भी है कि सिर्फ बिग थ्री(भारत, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया) देशों के एक-दूसरे के साथ ज्यादा खेलने का मौजूदा चल अंतत:बोरियत और ठहराव का कारण बनेगा। अधिकतर टेस्ट क्रिकेट भारत, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला जा रहा है जो पांच मैच की सीरीज में एक-दूसरे के साथ खेलते हैं। वेस्टइंडीज, साउथअफ्रीका और न्यूजीलैंड जैसे आर्थिक रूप से कमजोर देश केवल दो या तीन मैच की सीरीज ही खेलते हैं। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान गूच ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट को बिग थ्री देशों से आगे बढ़कर फलने-फूलने की जरुरत है। गूच ने आगे कहा कि, मुझे लगता है कि आईसीसी का टेस्ट क्रिकेट पर ध्यान देने की जरूरत है और ये देखने की जरूरत है कि वे आर्थिक रूप से कमजोर देशों की कैसे मदद कर सकते हैं।

डब्ल्यूसीएल का भारत को समर्थन देना पीसीबी को नागवार गुजरा

नई दिल्ली, 3 अगस्त। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने विश्व चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) के आयोजकों पर पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए रविवार को भविष्य में इस टूर्नामेंट में अपने खिलाड़ियों की भागीदारी पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की घोषणा की। भारतीय टीम ने पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय खेल संबंधों को लेकर देश के रुख का हवाला देते हुए इस पड़ोसी देश के खिलाफ डब्ल्यूसीएल के ग्रुप चरण के मुकाबले और सेमीफाइनल दोनों में खेलने से इनकार कर दिया था जिसके बाद पीसीबी ने यह फैसला किया।